यूपी समेत पांच बड़े राज्यों में खपत 18% तक बढ़ी

जीएसटी संग्रह के लिहाज से दो महत्वपूर्ण राज्यों गुजरात और पश्चिम बंगाल में तेज गिरावट

अजीत सिंह

नई दिल्ली। जीएसटी के लिहाज से चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में उत्तर प्रदेश समेत पांच प्रमुख राज्यों में खपत 18 फीसदी तक बढ़ी है। हालांकि, दो बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल और गुजरात में खपत में तेज गिरावट आई है। जीएसटी संग्रह के लिहाज से ये सातों राज्य महत्वपूर्ण हैं। कुल संग्रह में इनका 96.8 फीसदी योगदान है। जीएसटी ऐसा कर है, जो अर्थव्यवस्था में खपत में उतार-चढ़ाव दिखाता है। यानी हर व्यक्ति जितनी खपत करेगा, उसी आधार पर जीएसटी संग्रह होता है।

शीर्ष-10 राज्यों का करीब तीन चौथाई योगदान

कुल संग्रह में शीर्ष-10 राज्यों का तीन चौथाई योगदान है। आठ राज्य ऐसे हैं, जो राष्ट्रीय औसत से ज्यादा योगदान कर रहे हैं। इनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, यूपी, हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश व उत्तराखंड हैं। इनकी विकास दर 15.2 फीसदी रही है।

महाराष्ट्र...में सबसे ज्यादा रही बढ़ोतरी

महाराष्ट्र में जीएसटी संग्रह अप्रैल-दिसंबर में अवधि में एक साल पहले की तुलना में 18.2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2.68 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

- कर्नाटक में यह संग्रह 18.1 फीसदी बढ़कर 1.17 लाख करोड़ पहुंच गया।
- तमिलनाडु में संग्रह 16.9 फीसदी बढ़कर 1.04 लाख करोड़, यूपी में 17.3 फीसदी बढ़कर 85,870 करोड़ व हरियाणा में 17.6 फीसदी बढ़कर 78,400 करोड़ पहुंच गया।
- पश्चिम बंगाल के संग्रह में महज 9.8 फीसदी व गुजरात के संग्रह में 9.5 फीसदी तेजी रही।

विश्लेषकों की मानें तो ओडिशा, राजस्थान, प. बंगाल, गुजरात, छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्यों में खपत बढ़ती है तो संग्रह में तेजी देखने को मिल सकती है। पर, इनकी खपत में लगातार गिरावट आ रही है।